COFFEE

Coffee is one of the important beverage crops of the world. Coffee is prepared from the seeds of the fruit obtained from the plant. The plant is 3-6 metres in height. It is native to the highlands of southern Ethiopia. Its name has been derived from a highland district of Kaffa, where it was originally grown. From here, it was taken to Yemen, on the south-western parts of Arabia by the Arab traders and was grown at Mocha in 575 A.D. Later from- Arabia, coffee plants were taken to other parts of the world, where they were successfully grown. Today, many countries have become major producers of coffee. Coffee has come up as a popular drink for the people across the world.

Coffee is a tropical plant. It can grow in the region around the equator due to its tropical climate. This region includes Central America, Northern South America, Africa, the Middle East, India and Indonesia. Coffee plants need warm climate and a moderate supply of moisture for its growth.

The two main species of coffee are Arabica and Robusta. Coffee Arabia is grown in Yemen. Arabica is descended from the original coffee trees discovered in Ethiopia. These trees produce a fine, mild, aromatic coffee and represent approximately 70% of the world's coffee production. The beans are flatter and more elongated than Robusta and lower in caffeine. It is of excellent flavour, aroma and taste.

Robusta is primarily used in blends and for instant coffees. The Robusta bean itself tends to be slightly rounder and smaller than an Arabica bean. Robusta coffee packs 50% more caffeine, and a sharp bitter flavour. This is one reason why Arabica coffee is the more desirable of the two.

Coffee is the second important beverage crop of India. It was during 18th century that the commercial plantations of coffee were started by the British entrepreneurs. The constraints of agro-climatic environments have forced coffee plantations to be in a small area. It is grown under a canopy of thick natural shade in ecologically sensitive regions of the Western and Eastern Ghats. This is one of the 25 biodiversity hotspots of the world. Coffee contributes significantly to sustain the unique bio-diversity of the region and is also responsible for the socio-economic development in the remote, hilly areas.

The state of Karnataka dominates in coffee production, followed by Tamil Nadu and Kerala. Coffee is also being grown in Andhra Pradesh, Odisha and North Eastern States.

The coffees of India are a diverse range of 16 coffees. Grown in different regions, at various elevations, nourished by many different soils and tended to by loving hands of various kinds of people, it is not surprising that the coffees are so different from each other.

Coffee in India has traditionally been a staple beverage of southern states. Coffee making in these places has taken the form of a fine art and the traditional way of preparing coffee from coffee beans is much respected. However, with the size of instant coffee, its consumption has become more widespread where it is replacing tea as a regular beverage. Increasing global exposure has brought different varieties of coffee in the market. Thus, a cup of aromatic brew connects us to the millions of coffee lovers across the world.

Department of Posts is pleased to issue Commemorative Postage Stamp on Coffee as a fragrance stamp.

Credits:-

Text : Based on the material available on internet

Miniature Sheet / FDC/ Brochure/Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma



कॉफी

कॉफी विश्व की महत्वपूर्ण पेय उपजों में से एक है। पौधे से प्राप्त फल के बीजों से कॉफी तैयार की जाती है। पौधे की ऊंचाई 3-6 मीटर होती है। यह दक्षिणी इथोपिया की उच्चभूमि की देशी उपज है। इसका नाम उच्चभूमि पर स्थित काफा जिले से लिया गया है, जहां यह मूल रूप से पैदा होती थी। इस स्थान से इसे अरब के व्यापारियों द्वारा यमन, अरब के दक्षिण-पश्चिम भागों में ले जाया गया और 575 ई.पू. में इसे मोचा में उगाया जाने लगा। बाद में कॉफी के पौधों को अरब से विश्व के अन्य भागों में ले जाया गया, जहां सफलतापूर्वक इनकी खेती की जाने लगी। आज, अनेक देश कॉफी के प्रमुख उत्पादक बन गए हैं। कॉफी विश्व भर में लोगों के लिए एक लोकप्रिय पेय पदार्थ बन गई है।

कॉफी एक उष्णकटिबंधीय पौधा है। उष्णकटिबंधीय जलवायु के कारण यह भूमध्यरेखा के आसपास के क्षेत्र में पैदा हो सकता है। इस क्षेत्र में मध्य अमेरिका, उत्तरी-दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, मध्य-पूर्व, भारत और इंडोनेशिया आदि शामिल हैं। कॉफी के पौधों की पैदावार के लिए गर्म जलवायु और सामान्य नमी की आवश्यकता होती है।

कॉफी की दो मुख्य किस्में-अरेबिका और रॉबस्टा होती हैं। कॉफी अरेबिया, यमन में उगाई जाती है। अरेबिका कॉफी, मूल रूप से इथोपिया में खोजे गए कॉफी के पेड़ों से प्राप्त की गयी है। इन पेड़ों पर महीन, मृदु, सुगंधित कॉफी का उत्पादन होता है और विश्व की कॉफी का लगभग 70 प्रतिशत उत्पादन इन्हीं पेड़ों से प्राप्त होता है। इसकी फलियां (बीन) चपटी तथा रॉबस्टा से अधिक लम्बी होती हैं और इनमें कैफरीन की मात्रा भी कम होती है। इसकी खुशबू, सुगंध और स्वाद उत्कृष्ट होता है।

रॉबस्टा का उपयोग मुख्य रूप से सम्मिश्रित (ब्लेंड) और इंस्टैंट कॉफी के लिए किया जाता है। रॉबस्टा की फलियां अरेबिका फलियों की तुलना में थोड़ी-सी गोलाकार और आकार में छोटी होती हैं। रॉबस्टा कॉफी में 50 प्रतिशत अधिक कैफीन होती है और स्वाद तीखा कड़वा होता है। यही एक कारण है कि अरेबिका कॉफी को इन दोनों में से अधिक पसन्द किया जाता है।

कॉफी भारत की दूसरी महत्वपूर्ण पेय उपज है। अठारहवीं शताब्दी के दौरान ब्रिटिश उद्यमियों द्वारा कॉफी के वाणिज्यिक बागानों की शुरुआत की गई। कृषि-जलवायु संबंधी वातावरण की बाध्यताओं के कारण, कॉफी के बागानों का क्षेत्र सीमित रहा है। पश्चिमी और पूर्वी घाटों के पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में घनी प्राकृतिक छाया की छतरी के नीचे इसे उगाया जाता है। यह विश्व के 25 जैव-विविधता वाले हॉटस्पॉट में से एक है। कॉफी क्षेत्र की अनूठी जैव-विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। दूर-दराज के और पहाड़ी क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

कॉफी उत्पादन में कर्नाटक राज्य अग्रणी है, उसके बाद तमिलनाडु और केरल हैं। कॉफी आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों में भी उगाई जा रही है।

भारत में पैदा होने वाली कॉफी विविधता लिए हुए है। इसकी 16 किस्में हैं। विभिन्न क्षेत्रों, भिन्न-भिन्न उंचाइयों तथा विभिन्न प्रकार की मृदा से पोषित और अलग-अलग लोगों के स्नेहिल हाथों से उगाये जाने के कारण, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि कॉफी की उपज एक दूसरे से इतनी अलग हैं।

भारत में कॉफी पारम्परिक तौर पर दक्षिणी राज्यों का एक मुख्य पेय पदार्थ रहा है। इन स्थानों पर कॉफी बनाने की प्रक्रिया ने ललित कला का रूप ले लिया है और कॉफी की फलियों से कॉफी तैयार करने के पारंपरिक तरीके को बहुत अधिक पसन्द किया जाता है। इंस्टैंट कॉफी के आकार के कारण, इसकी खपत का दायरा व्यापक हो गया है, जहां यह नियमित पेय पदार्थ के रूप में चाय का स्थान ले रही है। वैश्विक स्तर पर जुड़ाव के बढ़ने से बाजार में कॉफी की विभिन्न किस्में आ गई हैं। इस प्रकार, सुगंधित कॉफी का एक कप विश्व भर में करोड़ों कॉफी प्रेमियों को परस्पर जोड़ता है।

डाक विभाग सुगंधित डाक-टिकट के रूप में कॉफी पर स्मारक डाक-टिकट जारी करके प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ	:	इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित
मिनियेचर शीट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण	:	श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	10000 पैसा 10000 p
मुद्रित मिनियेचर शीट Miniature Sheet Printed	: :	2.0 लाख 0.2 million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00